छत्तीसगढ़ में पहली बार 'राष्ट्रीय रामायण महोत्सव' का आयोजन

चर्चा में क्यों?

16 मई, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क वभिाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की वशिेष पहल पर राष्ट्रीय आदवािसी नृत्य महोत्सव की तर्ज पर रायगढ़ में आगामी माह के 1 जून से 3 जून तक तीन दविसीय भव्य राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन कयिा जाएगा।

प्रमुख बदिु

- संस्कृत वभिाग द्वारा इस आयोजन की जोर-शोर से तैयारयिाँ की जा रही है। आदवािसी नृत्य महोत्सव की तरह ही देश के वभिन्नि राज्यों सहति वदिेशी कलाकारों को आमंत्रति कयिा जा रहा है। जल्द ही छत्तीसगढ़ की धरा पर देश-वदिेश के कलाकारों द्वारा रामायण की अनूठी प्रस्तुतिदेखने को मलिेगी।
- छत्तीसगढ़ से भगवान श्री राम का गहरा रशि्ता है। मान्यता है कि वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम दंडकारण्य से होकर गुजरे थे और छत्तीसगढ़ के वनों का हसि्सा ही दंडक अरण्य (दंडकारण्य) का भाग था। इस बात को दृष्टगित रखते हुए आयोजन में अरण्य कांड के प्रसंगों पर वशिेष प्रस्तुतयिाँ होंगी।
- संस्कृत वभिाग के अधकिारयिों ने बताया कि रामायण महोत्सव में देश के वभिन्नि राज्यों से आने वाले मानस मंडली के कलाकार दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक और वदिेशों से आने वाले मानस मंडली के द्वारा रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रस्तुति दी जाएगी।
- इस भव्य आयोजन में अरण्य कांड पर केंद्रति प्रसंगों पर वभिन्नि राज्यों से आए मानस दलों के साथ ही वदिेशी दलों के द्वारा रामायण की प्रस्तुति की जाएगी।
- राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में सामूहकि हनुमान चालीसा एवं भव्य केलो आरती का आयोजन भी कयिा जाएगा, जसिमें हज़ारों की संख्या में दीपदान कयिा जाएगा।
- संस्कृत वभिाग के अधकिारयिों ने बताया कि प्रदेश में पहली बार संस्कृत वभिाग द्वारा राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन रायगढ़ के राम लीला मैदान में कयिा जाएगा।
- इस महोत्सव में शामलि होने वाली मानस मंडलयिों को पुरस्कृत कयिा जाएगा, जसिमें प्रथम पुरस्कार 5 लाख रुपए, द्वतिीय पुरस्कार 3 लाख रुपए और तृतीय पुरस्कार की राशि 2 लाख रुपए तय की गई है।
- राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन से प्रदेश की संस्कृति को संजोने की दशिा में एक अनोखी पहल होगी।
- उल्लेखनीय है कि रामायण की कथा अनेक भाषाओं में लखिी गई है और अनेक देशों में इनका मंचन होता है। इनकी सुंदर प्रस्तुति का मंच रायगढ़ में रामलीला मैदान बनेगा। देश में रामलीला की अनवरत परंपरा रही है। जब रामकथा को महोत्सव के माध्यम से प्रस्तुत कयिा जाएगा तो बड़ी संख्या में लोग राम कथा के माध्यम से उनके आदर्शों की शकि्षा ग्रहण कर सकेंगे।
- छत्तीसगढ़ में तुलसीदास जी का रामचरति मानस जन-जन में व्याप्त है। अब रामायण महोत्सव के माध्यम से वाल्मीकि से लेकर भवभूति तक भगवान राम के आदर्शों की झलक देखने का अवसर दर्शकों को मलि सकेगा।
- रामायण का वसि्तार कंबन के तमलि रामायण से लेकर कृतवािस के बंगला रामायण तक है। इसके साथ ही दक्षणि-पूर्वी एशयिाई देशों में भी इसके कई रूप प्रचलति है। रामायण महोत्सव के माध्यम से श्रीराम के चरति्र के इन सुंदर रूपों की झलक दर्शकों को मलि सकेगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-ramayana-festival-organized-for-the-1st-time-in-chhattisgarh